# विश्व वन्यजीव संरक्षण दिवस

स्रोत: द हिंदू

**विश्व वन्यजीव संरक्षण दिवस (4 दिसंबर)** भारत की समृद्ध जैवविविधता के साथ गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजातियों की सुरक्षा के क्रम में तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर केंद्रित है।

- **पृष्ठभूमि:** अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा वर्ष 2012 में की गई प्रतिज्ञा से प्रारंभ हुआ यह दिवस वन्यजीव संरक्षण एवं स्थिरता के क्रम में वैश्विक कार्रवाई को प्रोत्साहन देने पर केंद्रित है।
- **भारत की जैवविविधता:** भारत जैवविविधता **संपन्न देश है**, जिसका भूमि क्षेत्र विश्व के कुल क्षेत्रफल का मात्र 2.4% है तथा यहाँ **91,000 पशु प्रजातियों सहित सभी दर्ज प्रजातियों में से 7-8%** हैं।
  - भारत में विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त 34 जैवविविधता हॉटस्पॉट में से चार (अर्थात **हिमालय, इंडो-बर्मा, पश्चिमी घाट-श्रीलंका और सुंदरलैंड**) हैं।
- **वन्यजीवों के समक्ष खतरा:** भारत में तीव्र आर्थिक विकास तथा जनसंख्या वृद्धि के कारण प्राकृतिक संसाधनों की मांग बढ़ने से वन्यजीवों के आवासों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।
  - **अवैध शिकार, तस्करी और वनों के पास की भूमि पर खेती** के कारण मानव-पशु संघर्ष की घटनाएँ बढ़ रही हैं। **वन्यजीव अभयारण्यों और बायोस्फीयर रिज़र्व** के महत्त्व के बावजूद उनमें बाड़ की कमी से लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।
  - **बाघ और शेर** जैसी बड़ी बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण पर ध्यान दिया जाता है लेकिन **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसे पक्षियों** को खतरे के बावजूद अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है।
  - वर्ष 2022 तक भारत में 73 गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजातियाँ (जो वर्ष 2011 में 47 थीं) थीं, जिनमें 9 स्थानिक स्तनपायी प्रजातियाँ शामिल हैं।

//

और पढ़ें: भारत में वन्यजीव संरक्षण में सुधार

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-wildlife-conservation-day